



कमाल की हसीना हूँ मैं-14

“मेरे जेठ फ़िरोज़ मेरे इस तरह उन्हें बुलाने से बहुत खुश हुए और मेरी बगल में लेट गये। हम दोनों की ओर देख कर जावेद दूसरी तरफ़ सरक गया और हमें जगह दे दी। अब मेरा मजनू मेरी बाँहों में था इसलिये मुझे कहीं और देखने की जरूरत नहीं थी। मैं उनके जिस्म से चिपकते [...] ...”

Story By: (shahnazkhan35)

Posted: Monday, May 6th, 2013

Categories: [रिश्तों में चुदाई](#)

Online version: [कमाल की हसीना हूँ मैं-14](#)

कमाल की हसीना हूँ मैं-14

मेरे जेठ फ़िरोज़ मेरे इस तरह उन्हें बुलाने से बहुत खुश हुए और मेरी बगल में लेट गये। हम दोनों की ओर देख कर जावेद दूसरी तरफ़ सरक गया और हमें जगह दे दी।

अब मेरा मजनुं मेरी बाँहों में था इसलिये मुझे कहीं और देखने की जरूरत नहीं थी। मैं उनके जिस्म से चिपकते ही सारी दुनिया से बेखबर हो गई। मुझे अब किसी बात की या किसी भी आदमी की चिंता नहीं थी। बस चिंता थी तो सिर्फ़ इतनी कि यह मेरा जेठ जो मुझे बेहद चाहता है, उसे मैं दुनिया भर की खुशियाँ दे दूँ।

फ़िरोज़ मेरे नंगे जिस्म से बुरी तरह लिपट गये, मैं भी उनसे किसी बेल की तरह लिपट गई। हम दोनों को देख कर ऐसा लग रहा था मानो जन्मों के भूखे हों और पहली बार सामने स्वादिष्ट भोजन मिला हो। उनके होंठ मेरे होंठों को रगड़ रहे थे। मैं भी उनके निचले होंठ को कभी काट रही थी तो कभी उनके मुँह के अंदर अपनी जीभ घुमाने लगती और वो अपनी जीभ से मेरी जीभ को सहलाने लगते।

“बहुत प्यासे हो ?” मैंने उनके कानों में फुसफुसा कर कहा जिसे हम दोनों के अलावा किसी ने नहीं सुना।

“हम्म !” उन्होंने सिर्फ़ इतना कहा और मेरे जिस्म को चूमना जारी रखा।

“आज की सारी रात तुम्हारी है। आज जितना जी चाहे मुझे अपने रस से भिगो लो फिर पता नहीं कब मिलना हो। ना तो आज की रात मैं सोऊँगी ना एक पल को तुम्हें सोने दूँगी।”

मैंने अपने दाँतों से उनके कान के नीचे की लौ को काटते हुए कहा, “आज रात भर हम दोनों

एक दूसरे की प्यास बुझायेंगे।”

उन्होंने मेरे उरोजों को अपने हाथों में थाम लिया और उसे चूमने लगे। मेरी नज़र अचानक पास में दूसरे जोड़े पर गई। उनकी चुदाई शुरू हो चुकी थी। जावेद नसरीन भाभी जान को पीछे से ठोकते हुए हम दोनों को देख रहा था।

नसरीन भाभी जान ‘आआहSSS ऊऊहहहSSS’ कर रही थीं। मुझे उस तरफ़ देखते देख फ़िरोज़ ने भी उनको देखा तो मैंने तड़प कर उनके सिर को अपनी दोनों छातियों के बीच दबाते हुए कहा, “नहीं आज और कहीं नहीं, आज सिर्फ़ मैं और तुम। सिर्फ़ हम दोनों.. क्या हो रहा है कहाँ हो रहा है.... कुछ भी मत देखो। सिर्फ़ मुझे देखो मुझे प्यार करो। मैं तड़प रही हूँ। मैं तुम्हारे भाई की बीवी हूँ मगर तुमने मुझे पागल बना दिया। मैं तुम पर पागल हो गई हूँ।”

मैं उनके सिर को पकड़ कर अपने निप्पल को उनके होंठों से रगड़ रही थी। आज तक मैंने कभी किसी के साथ सैक्स में इस तरह की हरकतें नहीं की थीं। मुझ पर शराब और कामुकता का मिलाजुला नशा सवार था। मैं जोर-जोर से बोल रही थी। मुझे अब किसी की परवाह नहीं थी कि कौन क्या सोचता है। मेरे निप्पल एक दम कड़क और फूले हुए थे। मैं उन्हें फ़िरोज़ भाईजान के सीने पर रगड़ रही थी।

उनके छोटे-छोटे निप्पल से जब मेरे निप्पल रगड़ खाते तो एक सिहरन सी पूरे जिस्म में दौड़ जाती थी।

मैंने अपने हाथों में उनके लण्ड को थाम कर उसे अपनी चूत के ऊपर सटा कर दोनों जाँघों के बीच दबा लिया।

फ़िरोज़ भाईजान तो पूरे मस्त हो रहे थे। वो उसी हालत में अपने लंड को आगे पीछे करने

लगे। दोनों जाँघों के बीच उनका लंड रगड़ खा रहा था। मैं करवट बदल कर उन्हें नीचे बिस्तर पर गिरा कर उनके ऊपर सवार हो गई, मैं उनके चेहरे को बेहताशा चूमे जा रही थी, सबसे पहले उनके होंठों को फिर दोनों बंद आँखों को फिर अपने होंठ उनके गालों पर फ़िरते हुए गले तक ले गई।

मैंने अपने दाँतों से फ़िरोज़ भाईजान की टुड्डी को पकड़ लिया और अपने दाँतों को उन पर गड़ाते हुए उनकी टुड्डी को चूसने लगी।

वो मेरे दोनों निप्पल को पकड़ कर उनसे खेल रहे थे। मैंने अपने जिस्म को कुछ ऊपर किया और उनके मुँह तक अपने मम्मों को ले आई। अपने एक निप्पल को उनके होंठों के ऊपर ऐसे लटका रखा था कि उनके होंठ लालच के मारे खुल गये और मेरे उस निप्पल को किसी अंगूर की तरह मुँह में लेने के लिये लपके लेकिन मैंने झटके से अपने जिस्म को पीछे करके उनके वार से अपने को बचाया।

मैं उनकी मायूसी पर हँस पड़ी, मैंने उनके सिर को बालों से पकड़ कर तकिये से दबा दिया। अब वो अपने सिर को नहीं हिला सकते थे। इस तरह उनको जकड़ कर उनके होंठों पर अपने निप्पल को हल्के-हल्के छुआने लगी। उन्हें इस तरह तरसाने में बहुत मज़ा आ रहा था।

उनके होंठ मेरे निप्पल को अपने मुँह में लेने के लिये तरस रहे थे। मैं साथ-साथ अपनी जाँघों को उनकी जाँघों के ऊपर मसल रही थी। मेरी चूत के ऊपर का उभार उनके लंड को पीस देने के लिये मसल रहा था।

मैं अपने निप्पल को उनके होंठों पर कुछ देर तक छुआने के बाद पूरे चेहरे के ऊपर फ़ेरने लगी। उनके जिस्म में सिहरन सी दौड़ती हुई, मैं महसूस कर रही थी।

मैं अपने निप्पल को उनके चेहरे पर फिराते हुए गले के ऊपर से होते हुए उनके सीने पर रगड़ने लगी। उनके सीने पर उगे घने काले बालों पर अपने निप्पल फिराते हुए मुझे बहुत मज़ा आ रहा था। उत्तेजना के मारे उनका लंड झटके खा रहा था। मैं अपने निप्पल से उनके सीने को सहलाते उनके पेट और उसके बीच उनकी नाभि पर छुआने लगी। सिहरन से उन्होंने पेट को अंदर खींच लिया था। मुझे उनको इस तरह उत्तेजित करने में बहुत मज़ा आ रहा था।

पास में नसरीन भाभी जान और जावेद में घमासान छिड़ा हुआ था। दोनों ही एक दूसरे को पछाड़ने के लिये जी जान से जुटे हुए थे। दोनों की चुदाई की रफ़्तार काफी बढ़ गई थी और दोनों के जिस्म पसीने से लथपथ हो रहे थे।

तभी जावेद 'आआऽऽहहऽऽऽ.. उम्म्म' करता हुआ अपनी भाभीजान के नंगे जिस्म के ऊपर पसर गया, उसका साथ देते हुए नसरीन भाभी भी अपने रस से जावेद के लंड को धोने लगीं। वो दोनों खलास हो कर एक दूसरे को चूमते हुए बुरी तरह हाँफ रहे थे।

हम दोनों इस रात को एक यादगार बना देना चाहते थे, इसलिये हमें सैक्स के खेल को शुरू करने की कोई जल्दबाज़ी नहीं थी। सारी रात हम दोनों को एक दूसरे के साथ ही रहना था इसलिये हम खूब मजे ले-ले कर एक दूसरे के साथ चुदाई से पहले के खेल का मज़ा ले रहे थे।

मैंने फ़िरोज़ भाईजान के लंड के ऊपर अपने निप्पल को फिराना शुरू किया। लंड की जड़ से लेकर टोपे के ऊपर तक अपने लंड को किसी रुई की तरह फिरा रही थी। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं।

उनका लंड तो उत्तेजना से फूल कर कुप्पा हो रहा था। उनके लंड की टिप पर कुछ बूँद प्री-कम चमकने लगा। वो बस लुढ़क कर बिस्तर को छूने वाला ही था कि मैंने लपक कर अपनी

जीभ निकाल कर उसे चाट कर अपने मुँह में भर लिया। उसका स्वाद बहुत मजेदार लगा।

फिरोज़ भाईजान ने मेरे मम्मों को पकड़ कर उन्हें अपने लंड के ऊपर दाब कर मुझे इशारा किया कि मैं उनको अपने मम्मों से चोदूँ। मैं अपने दोनों मम्मों के बीच उनके मोटे लंड को दबा कर अपने जिस्म को आगे-पीछे करने लगी।

उन्हें इसमें मुझसे चोदने जैसा मज़ा मिल रहा था। इसलिये वो मुझे सहलाते हुए 'आआहहऽऽ ऊऊहहऽऽऽ' कर रहे थे।

कुछ देर उनके लंड को अपनी दोनों छातियों के बीच लेकर निचोड़ने के बाद मैंने उनके लंड पर अपनी जीभ फिरानी शुरू कर दी। अब फिरोज़ भाईजान के लिये अपनी उत्तेजना पर काबू कर पाना मुश्किल हो रहा था। उन्होंने मेरी कमर को खींच कर अपनी ओर किया। वो मेरी चूत को अपने मुँह में लेना चाहते थे इसलिये मैंने अपने दोनों घुटने मोड़ कर उनके सिर के दोनों ओर रख कर अपनी चूत को उनके होंठों से सटाया।

अब हम एकदम 69 के आसन में थे। मैं उनके लंड को चाट और चूस रही थी और वो मेरी चूत पर अपनी जीभ फिरा रहे थे।

जावेद और नसरीन भाभी एक दूसरे के नंगे जिस्म से खेलते हुए हमें देखते-देखते नींद की आगोश में चले गये थे। दोनों नंगे ही एक दूसरे की बाँहों में सो गये थे। लेकिन हम दोनों की आँखों से नींद कोसों दूर थी।

आज तो पूरी रात थकना और फिरोज़ भाईजान को थकाना था। फिरोज़ भाईजान मेरी चूत की फाँकों को अपने दोनों हाथों की उँगलियाँ से फैला कर अपनी जीभ मेरे भगांकुर से लेकर अंदर तक फिराने लगे।

मैंने भी उनके उस मोटे लंड को अपने हाथों से पकड़ कर अपने मुँह में लिया। बीच-बीच में

अपनी जीभ निकाल कर उनके लंड पर ऊपर से नीचे तक फिराने लगती ।

मैं उनके लंड के नीचे लटकते हुए टट्टों को अपने मुँह में भर कर चूसने लगी । मैंने उन्हें सताने के लिये उनके लंड के टोपे पर हल्के से अपने दाँत गड़ा दिये ।

वो 'आआआह' कर उठे और मुझसे बदला लेने के लिये मेरी भगनास को अपने दाँतों के बीच दबा लिया । मैं उत्तेजना से छटपटा उठी ।

कहानी जारी रहेगी ।

Other stories you may be interested in

मेरी मामी की तड़पती जवानी-2

रिश्तों में चुदाई की मेरी कहानी के पहले भाग मेरी मामी की तड़पती जवानी-1 में आपने अब तक पढ़ा कि दूर के रिश्ते में मेरे मामा मामी आये हुए थे. मैं और मामी एक दूसरे की तरफ वासनात्मक दृष्टि से [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी मामी की तड़पती जवानी-1

दोस्तो, मेरा नाम हैरी है, मेरी उम्र 20 साल है. यह कहानी जून 2017 में शुरू हुई जब मैंने अपनी बी.टेक. पढ़ाई पूरी करने के बाद एग्जाम दिए थे. मैं घर में फ्री रहता था. पेपर का रिजल्ट आने में [...]

[Full Story >>>](#)

दामाद जी ने मुझे जम कर चोद दिया

मेरी उम्र अभी करीब 40 साल की है. और मेरी बेटी प्रिया की शादी कुछ महीने पहले ही मैंने एक अच्छे वेल सेटल्ड लड़के से कर दी. लेकिन कुछ ही महीनों बाद एक दिन वो मायके लौट आयी और फूट [...]

[Full Story >>>](#)

हवसनामा : सुलगती चूत-4

दोस्तो, मैं पारुल ... मैंने अपनी कहानी के पिछले हिस्से में बताया था कि किस तरह मैंने जुगाड़ बना कर दो लोगों से एकसाथ बेहद आक्रामक संभोग किया था लेकिन फिर रघु मुलुक(देश, गाँव, मुल्क) चला गया था तो मैं [...]

[Full Story >>>](#)

भाभी की बहन की कुंवारी चूत चोदन स्टोरी

मेरी प्यारी भाभियो और सेक्सी लड़कियो ! माफी चाहूंगा कि बहुत दिन बाद आया हूँ, किसी काम में व्यस्त होने के कारण कोई कहानी नहीं लिख पा रहा था। बहुत सारे पाठकों ने मुझे आगे की कहानी लिखने के लिए कहा, [...]

[Full Story >>>](#)

